मेवाड़ विश्वविद्यालय में थ्री डी प्रिंटिंग विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

आने वाले समय में समय और नई तकनीक के अनुसार अपने आप को अपडेट करना होगा - कुलपति डॉ. मिश्रा

थ्री डी प्रिंटिंग आधुनिक तकनीक का उभरता क्षेत्र है -कुलसचिव डॉ. आर राजा

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में योगात्मक विनिर्माण (एडिटिव मॅन्यूफैक्चरिंग) के थ्री डी प्रिन्टिंग के कौशल को सिखाने के लिये पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जिसके अन्तर्गत प्रथम बैच के 20 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इस अवसर पर सेन्टर ऑफ एडिटिव मॅन्यूफैक्चरिंग लैब्स का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजाइनिंग के साथ साथ थ्री डी प्रिन्टिंग पर अपने द्वारा डिजाईन करके प्रॉडक्ट बनाना है। इस सन्दर्भ में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कार्यशाला के समन्वयक अनुभव राठौर ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। कुलसचिव डॉ. आर राजा ने एडिटिव मॅन्यूफैक्चरिंग के थ्री डी प्रिन्टिंग के उभरते क्षेत्र एवं इस राष्ट्रीय कार्यशाला का महत्व बताया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले समय में समय और धन की बचत के चलते थ्री डी प्रिन्टिंग का कारोबार जबरदस्त तरीके से मार्केट को कवर करने वाला है। समय और नई तकनीक के अनुसार अपने आप को अपडेट करना होगा। उन्होने विद्यार्थियों को आगे बताया कि इस क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं उपलब्ध होंगी जिसके लिये आपको तैयार रहना होगा। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए थ्री डी प्रिन्टिंग की विशेषताओं के बारे में बताया। अन्त में कार्यक्रम के निदेशक कपिल नाहर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

थ्री डी प्रिंटिंग विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

गंगरार, 13 जनवरी (जसं.) । मेवाड़ विश्वविद्यालय में योगात्मक विनिर्माण (एडिटिव मॅन्यूफैक्चरिंग) के थ्री डी प्रिन्टिंग के कौशल को सिखाने के लिये पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला के अन्तर्गत प्रथम बैच में 20 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इस अवसर सेन्टर ऑफ एडिटिव मेन्युफेक्चरिंग लेब्स का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजाइनिंग के साथ साथ थ्री डी प्रिन्टिंग पर अपने द्वारा डिजाइन करके प्रॉडक्ट बनाना है। इस सन्दर्भ में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कार्यशाला के समन्वयक अनुभव राठौर ने कार्यक्रम की रूपरेखा तथा कुलसचिव डॉ. आर राजा ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के थ्री डी प्रिन्टिंग के उभरते क्षेत्र के बारे में बताया। कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले समय में समय और धन की बचत के चलते थ्री डी प्रिन्टिंग का कारोबार जबरदस्त तरीके से मार्केट को कवर करने वाला है। समय और नई तकनीक के अनुसार अपने आप को अपडेट करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि इस क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं उपलब्ध होंगी, जिसके लिये आपको तैयार रहना होगा। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने थ्री डी प्रिन्टिंग की विशेषताओं के बारे में बताया। अन्त में कार्यक्रम के निदेशक कपिल नाहर द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannayak 14-01-2023

दैनिक ट्रू इंडिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में थ्री डी प्रिंटिंग विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

आने वाले समय में समय और नई तकनीक के अनुसार अपने आप को अपडेट करना होगा – कुलपति डॉ. मिश्रा

थ्री डी प्रिंटिंग आधुनिक तकनीक का उभरता क्षेत्र है – कुलसचिव डॉ. आर राजा

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में योगात्मक विनिर्माण (एडिटिव मॅन्यूफैक्चरिंग) के थ्री डी प्रिन्टिंग के कौशल को सिखाने के लिये पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जिसके अन्तर्गत प्रथम बैच के 20 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इस अवसर पर सेन्टर ऑफ एडिटिव मेन्युफेक्चरिंग लैब्स का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजाइनिंग के साथ साथ थ्री डी प्रिन्टिंग पर अपने द्वारा डिजाईन करके प्रॉडक्ट बनाना है। इस सन्दर्भ में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कार्यशाला के समन्वयक अनुभव राठौर ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। कुलसचिव डॉ. आर राजा ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के थ्री डी प्रिन्टिंग के उभरते क्षेत्र एवं इस राष्ट्रीय कार्यशाला का महत्व बताया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले समय में समय और धन की बचत के चलते थ्री डी प्रिन्टिंग का कारोबार जबरदस्त तरीके से मार्केट को कवर करने वाला है। समय और नई तकनीक के अनुसार अपने आप को अपडेट करना होगा। उन्होने विद्यार्थियों को आगे बताया कि इस क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं उपलब्ध होंगी जिसके लिये आपको तैयार रहना होगा। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए थ्री डी प्रिन्टिंग की विशेषताओं के बारे में बताया। अन्त में कार्यक्रम के निदेशक कपिल नाहर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।